कमांक 114-ज-(I)-84/6240.--की भरत सिंह, पूछ थी नेकी राम, गांच झारोथी, तहतील व जिला सोनीपत, की दिनांक 29 सितम्बर, 1983. को हुई मृश्यु के परिणामस्वरूप हिन्याणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार द्वितियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की द्वारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के धर्मान प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए भी भरत सिंह को मुन्सिग 300 रुपये वार्षिक की खातीर जो उसे हरियाणा सरकार की ध्विस्था क्यांक 763-ज-II-72/1 5-03, दिनांक 28 अर्जल, 1972 तथा धिम्यवता क्यांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, श्रव उसकी विधवा श्रीमती गंगा देवी के नाम रही, 1984 से 300 ६पये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शती के अन्तर्गंत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 199-ज-(II)-84/6248.—पूर्वी पंजाब पुद्ध पुरुस्कार ग्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है ग्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के ग्रनुसार सौंपे गये ग्रधिकारों को प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री लखू सिंह, पुत्र श्री सबल सिंह, गांव पथेड़ा, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, को रवी, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के ग्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कनांक 105-म(11)-84/6257.-- श्रीम्रात्मासिंह, पुत्र श्री दुनासिंह, गांव शरी हाइ, तहसी न वा सेर, जिनः कुछ नेत्र, की दिनांक 30 मार्च, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब मुद्ध पुरुक्तार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है भीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री आत्मा सिंह की मृन्तिग 300 छपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 342-मार-4-67/1063, दिनांक 12 अप्रैंज, 1967, अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-1[[-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-जे-(1)-79/44040, दिनांक 30 अस्त्वर,, 1979 द्वारा मन्जूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती कर्म कीर के नाम खरीफ़. 1981 से 300 छपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्ती के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

कमांक 172-ज-(II)-84/6271.—श्री रघुनाथ सिंहा, पुत्र श्री तुलसी राम, गांव कुलताना, तहसील झजर (ग्रव बहादुरगढ़) जिला रोहतक, की दिनांक 7 मई, 1983 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप, हरियाणा, के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रीधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रंपनाया गया है श्रीर उस में ग्राज तक संशोधन किया गया है ) की धारा 4 एवं 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री रघु नाथ सिंह को मुक्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की ग्रिधिसूचना क्रमांक 2858-ग्रार-(III)-68/4514, दिनांक 28 नवस्बर, 1968, ग्रीधसूचना क्रमांक 5041-ग्रार- III-70/29505, दिनांक 8 विसम्बर, 1970 तथा 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 ग्रक्तूवर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, ग्रव उसकी विश्वता श्रीमती राम कली के नाम खरीफ, 1983 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के ग्रन्तगर्त प्रदान करते हैं।

क्रमांक 106-ज(1)-84/6275. --पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री फेरा सिंह, पूत्र श्री मोहर सिंह, गांव अधोया, तहसील पेहवा, जिला कुरुक्षेत्र, को रबी, 1973 से रबी, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई मतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 186—ज-(1)-84/6279.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार मधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(v) (1v) तथा 3(1v) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हिरियाणा के राज्यपाल, श्री श्रमर सिंह, पुत्र श्री शिवकरण, निवासी 12, बिसदा मोहल्ला, पृहगांवा, जिला पृहगांवा, को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।